राम शरण में आजा | by Ashish Sharma

राम शरण में आजा तू भी ईर्ष्या सारी छोड़ दे
जीवन सफल जो करना है तो राम से नाता जोड़ ले

बैर जो पालोगे रघुवर से हाथ ना कुछ भी आएगा
मेरा मेरा जिसको करता तेरे हाथ से जाएगा
भाई सगे हो या हो बेटे चल देंगे सब छोड़ के
जीवन सफल जो करना है तो राम से नाता जोड़ ले

लौटा दे माँ सीता को तू क्षमा तुझे मिल जायेगी
वर्ना तेरी करनी की फिर सजा तुझे तड़पायेगी
अब भी समय है संभल जा पगले मन को राम में मोड़ ले
जीवन सफल जो करना है तो राम से नाता जोड़ ले

राम हैं मेरे बड़े दयालु तुझको भी अपना लेंगे
दिल से गया जो हरी शरण में भूल तेरी बिसरा देंगे
भव से पार जो लगना है तो अहम् को अपने तोड़ दे
जीवन सफल जो करना है तो राम से नाता जोड़ ले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-by-ashish-sharma/